अव्यक्त पालना का रिटर्न

टीचर्स को विशेष दो बातें पर अटेंशन रखना है

1 यथार्थ कनेक्शन : मधुबन से, बाप के साथ तथा दैवी परिवार के साथ मर्यादा–पूर्वक कनेक्शन हो। मर्यादापूर्वक कनेक्शन यह है कि जो भी संकल्प व कर्म करते हो, उसके हर समय करेक्शन करने के अभ्यासी हो।

2 करेक्शन : हर समय अपनी हर करेक्शन करने की अटेन्शन। अगर दोनों ही बातों में से एक में भी कमी है तो सफलतामूर्त नहीं बन सकते।

08.02.76

प्रश्न हमारे,
उत्तर बापदादा के

प्रश्न

मीठे बाबा,
करेक्शन के सन्दर्भ
में क्या समझानी
दे रहे हैं ?

उत्तर

मीठे बच्चे,
करेक्शन के सन्दर्भ में
समझानी हैं कि :

1. करेक्शन करने के लिये सदैव साक्षीपन की स्टेज चाहिये।
2. अगर साक्षी हो करेक्शन नहीं करेंगे तो यथार्थ कनेक्शन रख न सकेंगे।
3. तो यह सदैव चेक करो कि हर समय हर बात में करेक्शन करते हैं?

08.0276

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

मीठे बाबा, "बैलेन्स" शब्द के माध्यम द्वारा कुछ समझायें ?

बापदादा :-

प्यारे बच्चे,

❋ जो करेक्शन और कनेक्शन करना जानते हैं, वह सदा रूहानी नशे में होंगे।

❋ उनका न्यारापन और प्यारापन का बैलेन्स होगा।

❋ सिर्फ बैलेन्स का खेल दिखाने के लिये कितनी कमाई का साधन बना है, वह है सर्कस। बैलेन्स को कमाल के रूप में दिखाते हैं

❋ तो यहाँ भी अगर बैलेन्स होगा तो कमाल भी होगा और कमाई भी होगी।

❋ *अगर बैलेन्स ज़रा भी कम अथवा ज्यादा हो जाता है तो न कमाल होता है, न कमाई।*

❋ तो अपने जीवन को भी श्रेष्ठ और सफल बनाने के लिये बैलेन्स रखो अर्थात् समानता रखो।

08.02.76

8-2-76
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु
टिचर्स को विशेष
इन दो बातों पर
Attention
रखना है
कनेक्शन
[मधुबन से, बाप से, दैवी परिवार से]
&
करेक्शन
[हर समय अपनी करेक्शन]

08-02-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं रूहानी टीचर हूँ।

रूहानी टीचर अर्थात् हर संकल्प और कर्म को हर समय करेक्शन करने के अभ्यासी। कोई भी धारणा पहले स्वयं कर, फिर दूसरों को कहने वाली।

08-02-76

कनेक्शन और करेक्शन के बैलेन्स से कमाल

जो करेक्शन (CORRECTION) और कनेक्शन (CONNECTION) करना जानते हैं, वह सदा ही रूहानी नशे में होंगे।

न्यारापन और प्यारापन

शक्तिशाली, शिक्षा-स्वरूप

मर्यादापूर्वक

साक्षीपन

- अगर नम्बरवन टीचर बनना है तो कोई भी धारणा पहले स्वयं करो, फिर दूसरों को कहो। ऐसे नहीं - खुद करो नहीं और दूसरों से कहते रहो। जो दूसरों को डायरेक्शन देते हो, वह पहले स्वयं में देखो कि वह आप में है?

- जैसा समय, वैसा स्वरूप धारण करने की शक्ति बढ़ाओ।

- अपने जीवन को श्रेष्ठ और सफल बनाने के लिये बैलेन्स रखो अर्थात् समानता रखो।